ब देनदारियों सहित इसके प्रबंधन के अधिग्रहण की मंजूरी दी गई है। बी. आई. एफ. आर. के तारीख 24-6-1992 के संशोधित आदेश के अनुसार, बी०आई०एफ०आर० द्वारा योजना मंजूर किए जाने पर मै० गानन डकरली एण्ड कं० लि० को तत्काल 303.5 करोड़ रु० लगाने होंगे। परियोजना पर कार्य आरंभ करने के लिए अभी तक कोई कठिनाई सामने नहीं आई है।

(ग) जी. नहीं। तथापि, योजना में यह भी परिकल्पना की गयी है कि श्रमिक तीन समान किश्तों में आस्थगित आधार पर देय 300 लाख रु० के बकाया मजदूरी/वेतन/बोनस के समझौते को स्वीकार करेंगे और श्रमिक उच्च उत्पादकता मानदण्डों से कार्यान्वित किए जाने वाले श्रमिक औचित्य स्थापन कार्यक्रम के लिए भी सहमत होंगे।

Production in Cycle Corporation of India

2347. SHRI S. MADHAVAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the production in the Cycle Corporation of India has come down and if so, what are the details thereof; and

(b) whether the employees have given any plan for the revival of this unit and if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRIES AND DEPARTMENT OF PUBLIC ENTERPRISES) (SHRI P. K. THUNGON): (a) Yes, Sir. The details of production of CCIL during the last four years is given below:—

Year	No. of Bicycles
1988-89	85867
1989-90	78214
1990-91	65180
1991-92 (Prov.)	67950

(b) No, Sir. However, the Trade Unions of CCIL have been giving various suggestions for improving the performance of the company such as working capital assistance, worker's participation in management, modernisation of plant, etc.

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में महिला कर्मचारियों का स्थानांतरण

2348. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ उपक्रमों में महिला कर्मचारियों को यह वचन-पत्र देना जरूरी होता है कि वे अनुकंपा के आधार पर स्थानांतरण के लिए आवेदन करते समय अपनी वरिष्ठता का दावा नहीं करेंगी;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के ऐसे सभी उपक्रमों को भविष्य में इस तरह के वचन-पत्र न लेने हेतु अनुदेश जारी करने का विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं;

(च) क्या सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को उन सभी महिलाओं की सेवा में आए व्यवधान को माफ करने का अनुदेश भी देगी, जिनकी वरिष्ठता ऐसे वचन-पत्र के परिणामस्वरूप पहले से प्रभावित हो चुकी है;

(छ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ज) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय भारी उद्योग विभाग और लोक उद्यम विभाग में राज्य मंत्री (श्री पी०के० थुंगन) :(क) और (ख)